Suicide by Cotton Farmers in Andhra Pradesh

332. SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether mass sucide by cotton farmers in Andhra Pradesh is on account of alleged biological warfare launched by the USA; and

(b) if so, the action taken to stop such malpractice?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) and (b) The sucide by farmers in Andhra Pradesh was due to damage to crops, mainly cotton, due to pest attack and indebtedness of the farmers. The pest attack was further aggravated by excessive and indiscriminate use of sub-quality chemicals and faulty spray equipments.

कृषि उत्पादन

333. **श्री राज मोहिन्द्र सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार ने देश में कृषि क्षेत्र में वर्षा की और इस पर निर्भर सिंचाई की अनिश्चितता को दूर करने के लिए कोई शोध कराया है; यदि हां, तो इसके क्या परिणाम रहे?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने समूचे देश के लिये मौसमी वर्षा की कुल मात्रा के संबंध में व्यापक भविष्यवाणी करने के लिए प्रतिदर्शों का विकास किया है तथा मौसमी मानसून वर्षा के संबंध में पूर्व-कथन के क्षेत्र में अनुसंधान को उच्च प्राथमिकता दी है। भविष्यवाणी में दो पहलू शामिल हैं—(1) गुणात्मक भविष्यवाणी कि देश में मानसून की वर्षा सामान्य होगी या नहीं, जहां सामान्य की लम्बी अवधि के औसत के (+/-) 10 प्रतिशत की सीमा के अंतर्गत हुई वर्ष के रूप में परिभाषित किया जाता है, तथा (2) लम्बी अवधि के औसतमान के प्रतिशत के रूप में वर्ष का परिमाणात्मक परिकलन छोटे, छिट-पुट तथा कालिक पैमाने पर मानसून वर्षा की भविष्यवाणी जारी करने के लिए अनुसंधान संबंधी प्रयास किये जा रहे हैं।

इसके अलावा, आई०एम०डी० 17 भविष्यवाणी कार्यालयों के माध्यम से दिन में दो बार किसानों के लिये मौसम संबंधी बुलेटिन जारी करता है। इसे स्थानीय भाषाओं में आकाशवाणी से प्रसारित किया जाता है। इन बुलेटिनों में 48 घण्टों के लिये जिलावार भविष्यवाणी आगामी दो दिनों की संभावनायें तथा अत्यधिक वर्षा ओला वृष्टि तथा तुषारापात आदि की घटनाओं के संबंध में यदि कोई हो, विशेष चेतावनी शामिल होती है।

भारतीय मौसम-विज्ञान विभाग राज्य कृषि विभागों के विशेषज्ञों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए किसानों के लिए कृषि संबंधी मौसम-विज्ञानी परामर्श सामग्री जारी करता है। दूरदर्शन के क्षेत्रीय केन्द्रों, आकाशवाणी तथा स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से सप्ताह में एक बार इनका प्रचार किया जाता है। इस परामर्श सामग्री में गत सप्ताह के दौरान मौसम का सारांश, कीट तथा रोगों के संबंध में जानकारी सहित मौजूदा फसल स्थिति संबंधी आंकड़े, तथा संभावित मौसम के अनुसार कीटनाशकों के छिड़काव, उर्वरकों के प्रयोग तथा सिंचाई के मामले में किसानों को सलाह शामिल होती है।

कृषि मंत्रालय में फसल मौसम निगरानी दल बदलती हुई मौसम संबंधी स्थिति तथा देश के 63 प्रमुख जलाशयों की सिंचाई क्षमता को ध्यान में रखते हुये कृषि परिदृश्य की आवधिक रूप से समीक्षा करता है तथा जहां कहीं भी आवश्यक है कृषि पर मौसम संबंधी अनिश्चितताओं के प्रतिकूल असर को समाप्त करने के लिये आकस्मिकता संबंधी उपाय करता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा शुरू की गई शुष्क भूमि, कृषि के लिये अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत देश के अर्ध-शुष्क तथा मौसम के अनुसार शुष्क क्षेत्रों में फसल की पैदावार को सीमित करने वाली कठिनाइयों की पहचान तथा विश्लेषण करने के लिये बहु-विषयी दृष्टिकोण अपनाया जाता है।

World Bank Assistance for Fisheries in Assam

334. SHRI PRAKANTA WARISA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether World Bank is providing assistance to the State of Assam for the development of fisheries project;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the amount of assistance being received from the World Bank during each of the last three years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) and (b) Yes, Sir. A world Bank assisted Project, namely, Assam Rural Infrastructure and Agricultural Services Project is being implemented from 1995-96 for a period of eight years. Fisheries development is one of the components of the Project and include activities such as fish seed production, development of ponds, community tanks, beels, fisheries research, extension, education, training and open water fisheries development. The estimated cost of the Fisheries component is Rs. 2837.40 lakhs.

(c) As per the information received from the State Government the following expenditure has been incurred during the past three years which is to be reimbursed to the State Government by the World Bank as per the agreed norms:

1995-96	Rs. 17.40 lakhs
1996-97	Rs. 238.48 lakhs
1997-98	Rs. 418.63 lakhs

आयातित गेहूं में खरपतवार के बीज

335. **श्री कपिल सिब्बल:**
श्री राज मोहिन्दर सिंह:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष आस्ट्रेलिया से जो गेहूं आयात किया गया था उसमें खरपतवार के बीजों की मात्रा बहुत अधिक थी;

(ख) यदि हां, तो आयातित गेहूं में खरपतवार के बीजों की मात्रा कितने प्रतिशत थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि गेहूं में खरपतवार के बीजों की मात्रा बहुत अधिक होना गेहूं की घटिया गुणवत्ता को साबित करता है; और

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या परतिक्रिया है और क्या उस संस्थान से, जिसने घटिया गुणवत्ता का गेहूं भेजा है, क्षतिपूर्ति के रूप में हर्जाना प्राप्त हो गया है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) पिछले वर्ष आस्ट्रेलिया से आयातित गेहूं में खरपतवार के बीज पाए गए थे।

(ख) आयातित गेहूं में खरपतवार के बीजों की मात्रा का प्रतिशत वजन के आधार पर 0.06% था।

(ग) विभिन्न भारतीय पत्तनों पर प्राप्त किए गए आस्ट्रेलियाई गेहूं के माल का परीक्षण/विश्लेषण करने पर आयातित गेहूं संविदात्मक विनिर्देशों के अनुरूप और मानव उपयोग के लिए उचित पाया गया।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Urea prices

336. SHRI PREM CHAND GUPTA. Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that this Government has raised the price of Urea by 11%;

(b) whether this will result in saving of subsidy of Rs. 445 crores; and

(c) what will be the impact of this policy on the farm output and prices?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) The price of Urea has been increased from Rs. 3660 per M.T. to Rs. 4000 per M.T. from 29.1.1999, which represents an increase of 9.2%.

(b) On a demand level of 220 lakh M.T. of Urea estimated for 1999-2000, the increase in Urea price is likely to result in a reduction of subsidy of Rs. 748 crores.

(c) The impact of the price rise on farm output and general price level would be negligible.

टर्मिनेटर बीजों के आयात पर प्रतिबंध

337. **श्री ओंकार सिंह लखावत:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विदेशों से टर्मिनेटर बीजों के आयात पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में सरकार की क्या नीति है; और

(ख) क्या भारत में टर्मिनेटर बीज तैयार करने के संबंध में देशी/विदेशी अनुसंधानकर्ताओं ने कोई अनुसंधान किया है?